Saathi

Date 28/07/2020 Page 1 to 5

CLASS: B.A.(H) PART-2ND

SUBJECT: POLITICAL SCIENCE

PAPER: III (INDIAN GOVERNMENT & POLITICS)

CH: 5 (DIRECTIVE PRINCIPLES OF STATE POLICY-DPSP)

LECTURE NO. 24 (TWENTY FOUR)

By,
OM KUMAR SINGH
ASSISTANT PROFESSOR
DEPTT. OF POL. SC.
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR
LNMU, DARBHANGA

राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों का वर्गीकरण
CLASSIFICATION OF DPSP

निदेशक सिद्धांतों या तत्वों का वर्गीकरण हम दो आधारों पर कर सकते हैं—

(1) प्रकृति के आधार पर
(2) अध्ययन की सुविधा के आधार पर

(1) प्रकृति के आधार पर—

निदेशक तत्वों को इनकी प्रकृति के आधार इन्हें तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है—

(क) समाजवादी निदेशक तत्व
(ख) गाँधीवादी निदेशक तत्व
(ग) उदारवादी निदेशक तत्व

(क) समाजवादी निदेशक तत्व:-

(i) अनुच्छेद -38—

राज्य लोक कल्याण की अभिवृद्धि के लिए सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक न्याय की व्यवस्था करेगा। जैसे — आय, प्रतिष्ठा, सुविधाओं और अवसरों की समानता उपलब्ध कराना।

(ii) अनु० 39:-

भौतिक संसाधनों का स्वामित्व व नियंत्रण का इस प्रकार विभाजन हो जिससे सामूहिक हित सर्वोपरि हो। जैसे—

Scanned with CamScanner

Date __/__/____

(a) पुरुष व स्त्री दोनों को समान कार्य के लिए समान वेतन।

(b) महिला व पुरुष श्रमिकों के स्वास्थ्य व शक्ति का दुरुपयोग न हो।

(iii) अनु० 39 A –
समान न्याय व निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना।

(iv) अनु० 41 –
कुछ दशाओं में काम, शिक्षा और लोक सहायता पाने का अधिकार संरक्षित करने सम्बंधी प्रावधान है।

(v) अनु० 42 –
कार्य की न्यायसंगत और मानवीय दशाओं का तथा मातृत्व सुरक्षा हेतु सहायता का उपबंध।

(vi) अनु० 43 :–
कर्मकारों के लिए निर्वाह मजदूरी एवं कुटीर उद्योगों के विकास।

(vii) अनु० '43A' –
उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी के लिए उपयुक्त विधान बनाना।

(viii) अनु० '47' – लोगों के पोषाहार स्तर व जीवनस्तर को ऊँचा करने तथा लोकस्वास्थ्य के सुधार को प्राथमिक कर्तव्य मानना।

Page No.

Scanned with CamScanner

Date __/__/____

Saathi

(ख) गाँधीवादी निदेशक तत्व :

(i) अनु० '40' —

ग्राम पंचायतों का गठन करना तथा उन्हें स्वायत्त शासन की इकाइयों के रूप में कार्य करने हेतु शक्तियाँ व प्राधिकार देना।

(ii) अनु० '43' —

कर्मचारियों को निर्वाह मजदूरी एवं कुटीर उद्योगों का विकास।

(iii) अनु० '43 ख' —

सहकारी समितियों का उन्नयन। इसे 97 वाँ संविधान संशोधन, 2011 द्वारा जोड़ा गया।

(iv) अनु० '46' —

अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य दुर्बल वर्गों के शिक्षा और अर्थ सम्बंधी हितों की अभिवृद्धि व सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना।

(v) अनु० '47' —

लोगों के पोषाहार स्तर व जीवन स्तर को ऊँचा करने तथा लोक स्वास्थ्य के सुधार को प्राथमिक मानना तथा मादक पेयों व हानिकारक नशीले पदार्थों के सेवन का प्रतिषेध करने का प्रयास करना।

(vi) अनुच्छेद '48' —

कृषि तथा पशुपालन की व्यवस्था आधुनिक वैज्ञानिक प्रणालियों के अनुसार करना तथा गायों-बछड़ों, व अन्य दुधारू या वाहक पशुओं की नस्लों का परिरक्षण और सुधार करना व उनके वध का प्रतिषेध करने के लिए कदम उठाना।

Page No.

Scanned with CamScanner

Date __/__/____

Saathi

(ग) उदारवादी निर्देशक तत्व :

(i) अनुच्छेद '44' —

नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता लागू करने का प्रयास करना।

(ii) अनु० '45' —

राज्य 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों को शिक्षा तथा उनकी देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित करेगा।

(iii) अनु० '48' —

कृषि तथा पशुपालन की व्यवस्था वैज्ञानिक विधियों से करना।

(iv) अनु० '48क' —

पर्यावरण के संरक्षण व सम्वर्द्धन तथा वन व वन्य जीवों की रक्षा का प्रयास करना। यह 42वें संशोधन, 1976 द्वारा जोड़ा गया।

(v) अनु० '49' —

राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों, स्थानों और वस्तुओं का संरक्षण करना।

(vi) अनु० '50' —

राज्य की लोक सेवाओं में कार्यपालिका से न्यायपालिका के पृथक्करण हेतु राज्य द्वारा कदम उठाना।

(vii) अनु० '51' —

अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा की अभिवृद्धि, राष्ट्रों के बीच न्यायसंगत व सम्मानपूर्ण सम्बंधों तथा अंतर्राष्ट्रीय विवादों को मध्यस्थता से निपटाने के लिए प्रोत्साहन देने का प्रयास।

Scanned with CamScanner

Date ___ /___ /______

— 5 —

सम्भावित प्रश्न :

भारतीय संविधान में निर्देशक तत्वों के माध्यम से किस प्रकार समाजवाद, गाँधीवाद एवं उदारवाद के सृजन का प्रयास किया गया है ?

Scanned with CamScanner